गुबारी महने महने पन्नी

₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त
पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 72;   01/03/2018

बिषय सूची

कलाई ज्ञान त तोउं तेस बठ बुड़िकि।	1
भगवान तने साथ दाता, जे अपु साथ खुद दाते।	2
खास समाचार।	2
धिक हसते।	2
आज मेईं सिखु।	2
दोस्ती के जोर (Peer Pressure)	3
तुसी सोभी मां भेण जे यक	4
डॉ ए. पी. जे. अब्दुल कलाम	4

मास्टर : आज तोउ चेरे किस भु?

गभुरु : बथ यक साईन बोर्ड पुठ लिखो थियु।

मास्टर : साईर्न बोर्डे बेलिए चेरे एणे कि मतलब?

गभुरु : तेस पुठ लिखो थियु भेड़ स्कूल असा मठे चले।

बिड्डी सरगट ना पिए तुसी ता तुं टबरे जे नुकसान दायक आसे।

तेंके बोलि तुं भाश खराब भुंते त से शढ़ण बी लगता। तेस नाउं केन्सर बोते। एसे बोली तुस झठ मरते। तुं गेभुरु तुं कोई सुक ना मेता। कि तुस चहांते ना कि तु गेभुरु दर बदार रिहो लोते ? महेणु तेन्हि ठोहरेल ना चहातें ना? तुस आज यक समझदार नागरीक भुणे सेबूत दिए। अपु भयाड़ि ता ग्रांए महेणू जे मसाल बणे जेसे बोलि होरे बी तुसी हेरी काई नशा छाड़ दिएल।

कलाई ज्ञान त तोउं तेस बठ अहंकार

यक जुबान ब्रह्मणे सुआ देशी अंन्तर घेई कड़ सुआ ज्ञान शचा। यक देश अन्तर तेन तीर त कान बणाणे शचे। तेस किंया किछ रोजे बाद से होर देश जे गा। तेस देश अन्तर तेन जहाज बणाणे विद्या शिची, किस कि तेस देश अन्तर जहाज बणातेत। तेस कियां बाद से यक होरे देश गा। तेठि से ई मेह्णु जोई मिआ, जे कि सद घर बणातेत। तेन तेन्हि कियां घर बणाण शचा।

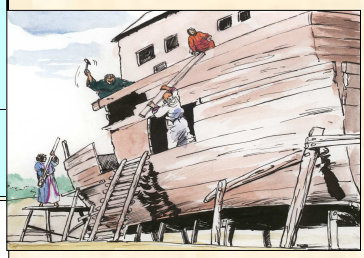

ईहांणि कते कुते से शोड़े(16) देशी गा। से शोड़े किस्मी विद्या शिचि कड़ आ। अपु गी एई कड़ से मेह्णु कियां पुछण लगा कि "पुरी दुनीए अन्तर मोउं कियां मोटा कोउं असा"।

मेह्णु हेरान भोई कड़ तेसे धे हेरते। मठे मठे ए बोक भगवान बुद्ध केंई पुज गई। बुद्ध तेस जाणताथ। से तेसे सोबी कमी के बारे बी जाणताथ। से तोउं चंता करण लगा कि तेसे अभिमान तेस खत्म ना कड़ छाड़ेल। यक रोज से भिखारी ईं भिख मागणे कटोरू बी साते घिन कड़ तेसे साह्मणि आ।

तेन ब्रह्मणे बोड़े भारी रोभ जोई पुछ "तु कोउं भो? बुद्धे बोलु "अउं आत्मविजये पथिक भींथ।" ब्रह्मणे तेसे बोलो शब्दी के मथबल समझणे कोशिश की त तेन बोलु, "यक ममुली हथियार बणाणे बाड़ा तीर बणाई सकता, नाव चलाणे बाड़ा जहाज बी बणाई छांता। मिस्त्री गी बणाई छांता। सद विद्या शचणे बेलि किछ ना भुंतु। अपु मन साफ रखुण ईं सोबी केआं मोटी कमियाबि भो। अगर तुं मन सचा ना भोल त सोभ ज्ञान बेकारा असा। अहंकारे बोलि कोई बि महेणू भगवान हेरी न सकता।

ई शुण कई ब्रह्मणे अपु गलती पता लगा "अहंकारे बोली बुद्धि खत्म भुंती घेंती। तोउं त बोते की अहंकार कियां दुर बशे"।

देवी देवता महणू जे मगु, तस ना देते।

आजकल हेण पाँगेई युवा पीढी कि कती की अगर अपू वेली कोइ वी कम ना भूं त सधे मंदिर कि दौड दाते। 'हे भगवान, मूं पास करी छड़।' या फिर 'हे भगवान, मूं नौकरी लेती लगोरी।' मरजी का वन्दा बारे वनाह कता या फिर का शाड़ा चहाने। अगर अनू कने वेली कोई पास भूता या कसे नौकरी लगती त पाँगेई अन्तर कई वी वेरोजगार ना रहता। अगर कसे वी सरकारी महकमें अन्तर कोई वी नौकरी निस्ती त महणूआं दौड़ लगी घेंती। कदी मंत्रियां कणा फोन कराते बटी जीरा त थणगोली धि ानयो अवसरियां केई घेते। अनू सोब कुछ कन कियां त दू चौर मेनेह टेस्टी के तैयारी की त कसे कियां फोन करवाणे जरुते न पडती। आजकल त किलाड़ अन्तर सोब कुछ सुविधा अस्ती। कॉलेज, आई टी आई तठा कम्पयूटर सेंटर आई। गवरुआं चमे त कुडू दी लंघाते तथ घई आधे ता पढी घेतें, कुछ त नए नए फेशन कते, का कुयां लनू कता का चश्मे लाई इता। देवी देवता बी महणू जे मगु तस ना दाते, वल्कि जे महाणू दी ठिक अस्तु तस दाते।

लेखकः– अमर भरद्वाज

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

तुबारि टीमे कनारा सोबी पांगेई मेहणू ऊनोणि ता नो रात्री के बधेए।

खास समाचार

* 18 मार्चे नाऊ रात्रै बी लगते ता ऊनोणि बच बी असे।
* 25 राम खोरी नाऊ रात्रै मुकते आज

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे बुहन दुतो पता पुठ लंघाए।

धिक हासते

रोहन अपु बोउ जे – बोउआ! तुस टि बन कर कइ अपु दस्कत कइ सकते ना?
बोउए – हां, जेरुर!
रोहन– ठिक सी त, में रिपोर्ट कार्ड पुठ दस्कत कर।

मशट्रयाणी टिंकु जे बोती: तोउ A B C D ... ... एतु ना
टिंकु – आं, मेडम जी!
मशट्रयाणी – A कियां बाद की एतुं?
टिंकु – सम्हाई किछ एतुं, मेडम जी!

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़ बजार, किलाड़, त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश।
पिन. 176323

आज मेई सिखु

अँपू स्पष्टीकरण मॅहाणू तैड़ी दाँणा चाहिए जैड़ी शुणनार तठां समझणार बाड़ा मॅहणू खुला दिमागो भोल। अगर कैनी तैणी गलत मनी छौरी तड़ी अँपू सफाई दाणे मतलब अँपू नजर अन्तर गिरनू भा।

लखा टके वोक

''अपू गभरु वफादारी पता ईजी बब बुढापे अन्तर लगता''
–भेणी बफादारी पता तसे जवानी अन्तर लगता।
–भौए बफादारी पता वयाह बाद लगता।
–भतारे बफादारी पता जोली बीमारी टेम लगता।
–जोली बफादारी पता भतारे गरीबीया अन्तर लगता।
–दोस्ती बफादारी पता दोस्ते बुरे दन अन्तर लगता

लेखकः– अमर भरद्वाज

दोस्ती के जोर (Peer Pressure)

रेशमी नोउए यक कुई थी। से सुआ होशियार त पढ़ण लिखण अन्तर बि लेएक थी। सोब बोतेथ कि ए कोई अफसर बणती। जपल से हाईस्कूल केआं कॉलेज गई त सोबी के नजर तेस पुठ थी। तेसे होरी सहेली बि थी। पर तेन्हि बच ज्येदी बोके पढ़ाई बारे ना, बल्कि फलाणा कुआ कीं असा, त केनी कुईए केस कुई जे प्रोपज किओ असा, तसेरी भुन्तिथ। से तेन्हि पुछतीथ कि केनी कोये तु प्रोपज किओ असी ना? त बचारी चुप भोई घेन्तीथ। पर कुछ मेहने पता, मठे मठे तसे मन पढ़ाई केआं ज्यादा घुमुणे, त नोउएं नोउएं झिणे लाणे, होर कोये के बारे बोक करण अन्तर रिझेईते गेई। त से पढ़ाई अन्तर कमजोर भोई गई।

तजेन्दर नोउए यक कुआ बि थिआ। से बि होशियार थिआ, पर बचारा गरीब थिआ। कॉलेज घेणे पता, तसे दोस्ती बिचा सुआ जेईं महंगे महंगे फोन अणो थिए, त तसे बि मन करण लगा कि तस बि तीं महंगा फोन लौता। पर

तसे ईयां बोउ कें अतु रुपेई नेओथ कि खरीद सकतेथ। त से कुआ ई उम्मीद अन्तर जुए खेलण लगा कि तस के सुआ रुपेई भोई घेन्ते त से अपु पसंदीदा फोन खरीद सकता। पर से जुए अन्तर शयद ई कपल जीतो भोल। ईं कइ कुइ तेन अपु त अपु गीहे बाड़ी जे सुआ परेशान किइ।

जेस बझई जोई एन कुई त कुआ अन्तर ए बदलाब अओ थिया, तस जे अस बोते, "दोस्ती के जोर" (Peer Pressure)। मतलब कि जपल अस अपु यारी-दोस्ती जुए बिश्ते त अस चहन्ते कि अस बि तेन्केरी ई झिणे डबे, तेन्केरी बोक करे, तेन्केरी फोन रेखु, त तेन्केरी ईं खाल पीए बि। ए खास कइ स्कूले त कॉलेजे गभुरु बुछ सुआ भुन्तु। एस केआं दूर बिशणे कोई जगा नेई। असी पुठ हें दोस्तजरूर कुछ न कुछ बदलाब आणते, चहें खरु भो या खोटु। तोउं त, जपल तुस हाईस्कूल या कॉलेज घेन्ते त ध्यान रखे कि तुसी पुठ "दोस्ती के जोर" कीं पड़ता। से की तुसी अब्बल त खरु कम करण जे जोर देन्ते ना? या तुसी अपु लक्ष केईंआ भटकणे त बुरे कम करण जे सलाह देन्ते? अगर तीं असु त तुसी पता असा कि अपु भलाई लिए तुसी की करण। दोस्ती के जोर केआं अपफ बचण जे तुस ए दुई कम कइ सकते।

पेहला: <u>पता करे कि तुस कोउं भिन्थ त तुस की चहान्ते</u>। इसे मतलब असु कि तुसी कदी न बिस्रिण कि तुं परिवार त गीहे हालात की असे, होर तुं गी बाड़े, त होरे मेहणु तुसी पुठ की उम्मीद रखो असी। तुसी हमेशा याद रखु असु कि तुस अपफ जे त अपु गीहे लिए करण चहन्ते। तुसी अपु मन अन्तर सोचुण असु कि दस सालुं बाद तुस अपफ जे की हेरण चहान्ते? तेस जे अभेईं केआं खड़ तेयारी करणे जरुरत असी। याद रखे कि यके रोज अन्तर रोहतांगे टनल न बणी। एस जे सुआ साले तेयारी, त सुआ रुपेई खर्चा करण पड़ते।

दोका: <u>पता करे कि तुं दोस्त कोउं भिन्थ त से की चहान्ते</u>। इसे मतलब असु कि तुसी ध्यान देणे एन्तु कि तुं दोस्ती के परिवार कीं असे, त से कत रुपेई कमुन्ते। एसे बेलि तुसी पता लगता कि तुस कतु तेन्के बराबरी कइ सकते। तुसी तेन्के भविष्य योजना बारे बि पता लाण जरुरी असा। अगर तुं दोस्ते, अपु बोउ के ईं लाला बणणे विचार असा, त से किस पेपर देण जे या कॉमिशन किढ़ण जे तेयारी कता? पर अगर तुस तेन्केरीं पढ़ुण लगियेल, टेम पास करण लगियेल त तेस पढ़ाई अन्तर तुसी कोई फायदा न मेता।

तोउं त, अउं तुसी जे बोता कि एऊंश केआं खड़ जपल तुस अपु यारी-दोस्ति जुए स्कूल या कॉलेज अन्तर बिशेल त खेलियेल, पढ़ेल त एन्हि बोकी के ध्यान रखे। एसे बेलि तुं जिन्दगी सुसुर रेहन्ती त तुस अपु कोशिश अन्तर कामियाब भोई सकते।

संगति असर

अकबर बादशहे ता बीरबल अपेपु बच बोक करण लगे। तिखैई बीरबले मुहुं कियां यक गलत बोक भोई गई। तिखैई बादशहा सुआ बुरु लागु। तेन बोलु, "तोऊ बोक करणे तेमिज ना रहि। अब दनरात बशरमा भुतां रिहो असा।"

बीरबाले बोलु, "अअं जहांपनाह जी, पहेला ता ई नोथ, अब संगत दोष एण लागो असा।" बादशाह नराज भोई गा।

तुसी सोभी मां भेण जे यक बोक। बुरी ना मने बा।

कुई त जिल्हाणु जे यक खास बोक। जिखेईं तुस जुठ भुंति, तिखेईं ग्रांई के सोभ जिल्हाणु पेडी के बंटी कपड़ा लेंती। तुसी सोभी मोखयाल ई पता नेई की तेस कपड़े बेलि तुसी केनसर भुंता। ई सोभ बोक दुनीए सोभी किंया मोटे डाक्टर बोते।

किस कि तुस तेस कपड़े ना त धूप छांते ना त तेस साफ कर कइ रखते। यक रोज अंतर तुसी दुई कियां टाई लिंगि साफ कपड़ा लाण। तेसे बेलि तुस ना त बमार भुंते होर न तुं टाबरा बमार भुंता। किस कि नार बमार भोल ता गीहे सोभ जें बमार भोई सकते किस कि से सोभी जे रोटि शाग बणाती।

सोभि जगाही जिल्हाणु ई शरम कती हें ऐतिर बई झणे कऊ हेरते की जाँ ता। जेसे बोली कि से साउ कि आपु अतिर बाई बनेन (बरा) ता कछे बी धुप ना शुखाणते। तेंके बेलि बी तुस बमार भुंते किस कि जिखेईं तकर तुस अपु झणे धूप ना छते तेन्हि केआं कुस्तरी मुशक एंती, जेसे बेलि तुस सुआ बमार भुंते।

डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

मिसाईल मैने नाउ कियां मेशुर त भारते पुराणा राष्ट्रपति डॉ ए.पी.जे. अब्दुल कलाम 15 अक्तूबर 1931 अन्तर रमेश्वरम, तमिलनेडू अन्तर जमो थिया। सन् 1962 अन्तर डॉ0 कलामे 'भारते अंतरिक्ष अनुसंघन संगठन' जोई मिया। डॉ कलामे प्रोजेक्ट डेरेक्टरे रुप अन्तर भारते पहेला स्वदेशी उपग्रह 'एस.एल. वी टेका' आकाश अंतर लंघाणे जहाज बणाणे श्रेय तेस मेता। एसे वजाई जोई त भारत पुरे दुनीये अन्तर अंतरिक्षे क्लबे यक सदस्य बणा।

सन 1998 अन्तरी पो खरण दोकी परमेणु परिक्षण अन्तर एसे मोटी भुमिका थी। डॉ कलामे स्वदेशी लक्ष्य भेदी (गाइडेड मिसाइल) डजेन करो थी। तेन 'अग्नी' ता 'पृथ्वी' ई मिसेल स्वदेशी टेकनीकी हसाब जोई बणोओ थी। डॉ ए. पी. जे . अब्दुल कलाम देश त समाजे लिए करो अबल कमी के करण केही पुरस्कारी बाई बी डेबेऐ थिए, जेन्हि अन्तर भारत सरकारे बेली दुतो भारत सरकारे सोभी कियां बडे नागरिक समान 'भारत रत्न', पध्म भूषण ता पध्म विभूषण असे। ए 27 जुलाई 2015 शिलोंग, मेघालय अन्तर मरा।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हैंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290